International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

युवा संस्कृति : समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण

महेन्द्र कला
शोधार्थी
अपेक्स यूनिवर्सिटी, जयपुर

युवा : परिचयात्मक

युवा कौन है इसे परिभाषित करना बहुत कठिन है; क्योंकि प्रत्येक संस्कृति में युवाओं के लिए अलग–अलग आयु–वर्ग निर्धारित किए गए हैं। इसलिए युवाओं की कोई सामान्य परिभाषा नहीं है। अनेक देशों में 15–24 आयु–वर्ग के लोगों को युवा माना जाता है। यूनेस्को के प्रकाशन **"Youth in the 1980" (1981)** में निम्नांकित पक्ष युवा की अवधारणा को व्यक्त करते है :

यूनीसेफ[16] द्वारा किए गए अध्ययन तथा तीसरी दुनिया के देशों की सरकारी ऐजेन्सियों द्वारा युवाओं की आयु श्रेणी 11 से 12 वर्ष निर्धारित की गई है। इस आयु–वर्ग के लिए गाँवों से शहरों में काम की तलाश में आते हैं तथा इन्हें निश्चित रूप से बालक नहीं माना जा सकता है।

युवा संस्कृति –

युवावस्था मुख्यतः आधुनिक वैश्विक समाज की एक विशिष्ट घटना है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक सामाजिक श्रेणी के रूप में युवाओं पर अधिकाधिक बल दिया जाने लगा क्योंकि इन जटिल समाजों में विकास की इस अवस्था को विशेष चुनौतीपूर्ण माना गया। यही कारण हैं कि इन आधुनिक वैश्विक समाज में बहुधा युवाओं को एक 'समस्या' समझा जाता है और इन पर इतना अधिक ध्यान दिया जाता है और इनके लिए इतने अधिक प्रयास किए जाते है ताकि इनका 'स्वस्थ' सामाजिक और मानसिक अनुकूलन हो सके। विकसित तथा तीव्र विकासशील देशों में युवा कहे जाने वाली सामाजिक श्रेणी ने अपनी जीवन–शैली, पहनावा, खान–पान, बातचीत और व्यवहार के तौर–तरीके से अपनी एक अलग पहचान बना ली है। यह बात बहुत कुछ रूप में भारत में नगरीय युवाओं पर भी लागू होती है। युवा संस्कृति एक विशिष्ट प्रकार की उपसंस्कृति होती हैं जो स्थायी नहीं होती है। युवाओं पर पॉप कल्चर का सबसे अधिक प्रभाव पडा हैं। विगत सदी में पॉप–कल्चर का व्यापक प्रसार हुआ है। पॉप कल्चर का जनमाध्यमों की द्रुत गतिशीलता के साथ गहरा संबंध है। जन–माध्यमों के तीव्र प्रभाव का आलम यह है कि ऑडिएंस के पास प्रति सैकेंड तरह–तरह की खबरें और सूचनाएँ पहुँच जाती है। घटनाओं और उनके प्रभाव के बारे में सोचने समझने और विश्लेषित करने की शक्ति का ह्रास हो रहा हैं। पॉप–कल्चर ने बडे पैमाने पर अपराध हिंसा और सेक्स केन्द्रित फिल्मों धारावाहिकों और कथा साहित्य का निर्माण किया। इनमें बदले की भावना के रूपायन पर ज्यादा जोर है। हमारा समाज पॉप–कल्चर की गिरफ्त में है इसकी चुनौतियों हमें परेशान कर रही है, इसके

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

प्रति अज्ञानता हमें दिशाहीन बना रही हैं, हमें इनकी वैचारिक जडों को काटना होगा, इसके लिए जरूरी है कि इसके बारे में सही ढंग से सोचे।

युवा संस्कृति की प्रकृति एवं तत्व :–

आधुनिक समाज में युवा संस्कृति की अवधारणा को एक विशिष्ट एवं अलग पहचान मिली है। जो कि वयस्क संस्कृति से अलग है। समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों एवं मानवशास्त्रियों ने युवा संस्कृति के अर्थ एवं तत्वों को समझाने का प्रयास किया है। प्रत्येक विद्वान के योगदान का विश्लेषण करना यहां संभव नहीं है और न ही उचित। लेकिन युवा संस्कृति का विश्लेषण निम्न दिशा में किया जा सकता है :–[25]

1. **युवा संस्कृति प्रति संस्कृति के रूप में –** इसे प्रति संस्कृति इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि वैश्वीकरण ने परिवर्तन की दर इतनी तीव्र कर दी है कि समाजीकरण की प्रक्रिया में तेजी से परिवर्तन हो रहे है। इसका प्रभाव पीढ़ीय अन्तराल पर पड़ रहा है और पुरानी और नई संस्कृति एक दूसरे से भिन्न प्रतीत हो रही है। युवाओं की यह संस्कृति एक उप संस्कृति तो है क्योंकि यह संपूर्ण भारतीय संस्कृति का एक भाग है लेकिन इस भाग में प्राचीन संस्कृति के विपरीत तत्वों का समावेश अधिक है। इसलिए यह संस्कृति प्रति संस्कृति भी है।

2. **औद्योगिक समाज में समाजीकरण की समस्या के कारण युवा संस्कृति एक समस्या के रूप में –** वैश्वीकरण ने नए प्रकार के उद्योगों को विकसित किया है। इसके कारण आज के युवा के सामने कार्य व्यवसाय के नित नए प्रतिमान सामने उभर कर आ रहे है और वह इन नए प्रकार के कार्य व्यवसायों में किसका चुनाव करे इसको लेकर चिन्ताग्रस्त रहता है। साथ ही कार्य व्यवसाय ने युवाओं में प्रवासिता भी बढा दी है जिससे युवा अपने परिवार से दूर होते जा रहे है। इस प्रकार नए प्रकार के व्यवसायों का चुनाव और पारिवारिक दूरी से युवा कई प्रकार की समस्याओं का सामना कर रहा है। समाजीकरण की इस प्रक्रिया में युवा संस्कृति में प्रतिस्पर्धा, आक्रोश, अकेलापन बढ रहा है जो एक समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है।

3. **युवा संस्कृति, वयस्क संस्कृति की अनुकरणकर्ता के रूप में –** युवाओं के सामने कई संदर्भ समूह होते है जिसका वह सदस्य बनना चाहते है। यह संदर्भ समूह अक्सर वयस्क संस्कृति का हिस्सा होते है। युवा संस्कृति इसी वयस्क संस्कृति का अनुसरण करती है।

4. **युवा संस्कृति एक गुप्त एवं स्वायत्त संस्कृति के रूप में –** युवा संस्कृति एक निश्चित आयु वर्ग की संस्कृति है। एक निश्चित आयु में आने और एक निश्चित आयु के बाद इस संस्कृति का सदस्य इससे स्वतः ही बाहर हो जाता है। नए सदस्यों के आगमन से इस संस्कृति में तीव्रता से परिवर्तन होते रहते है। फिर

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

भी इस संस्कृति के कई तथ्य पूर्ण समाज की संस्कृति के सम्मुख नहीं आ पाते है। इसी प्रकार इस संस्कृति पर समाज की संस्कृति का दबाव रहता है लेकिन फिर भी इस संस्कृति के सदस्य इसे अपने अनुसार परिवर्तित करते रहते है। इसलिए यह एक गुप्त और स्वायत्त संस्कृति है।

युवा संस्कृति की पहचान

युवा संस्कृति युवाओं के मध्य सामाजिक संबंधो को जोड़ती भी है, तो नए संबंधो की खोज भी करती है। युवा संस्कृति के अध्ययन का प्रमुख आकर्षण इसका विद्रोही स्वरूप है। युवा अपने घर, विद्यालय या कॉलेज तथा कार्य से बचते हुए खुशी ढूढ़ने का प्रयास करते है। वे अपने सांस्कृतिक समूह में आनन्द ढूढ़ने का प्रयास करते है। पुरूषत्व, समलैंगिकता एवं नारीत्व को खोजने में इनकी रूचि होती है। हालाकि प्रभुत्वशाली वयस्क संस्कृति इनके अनुकूलन का प्रयास करती है। यौन–व्यवहार को समायोजित करने का प्रयास युवा अपने सांस्कृतिक वातावरण में करने का प्रयास करते है। हालांकि यह समायोजन अलग–अलग समाजों में अलग–अलग प्रकार का होता है।

युवा संस्कृति युवाओं को एक सामूहिक पहचान भी प्रदान करती है, जिसके अन्तर्गत युवा अपनी व्यक्तिगत पहचान का निर्माण करते है जो कि घर, स्कूल/कॉलेज तथा कार्यस्थल से अलग होती है। यह एक चेतनशीलता प्रदान करती है अर्थात् युवा संस्कृति युवाओं के बीच में ऐसी चेतना जागृत करती है जिससे वे स्वयं को व्यस्क संस्कृति के दबावों से स्वतंत्र महसूस करते है तथा अपने वैकल्पिक कैरियर पर ध्यान देते है। वे वयस्कों की दुनिया से अपने रहस्यों को गुप्त रखते है, तथा कभी–कभी विद्रोह पर उतर जाते है।

युवा संस्कृति युवाओं के लिए एक संदर्भ समूह का कार्य करती है, जिसके साथ वे अपनी पहचान जोड़ते है। यह वयस्कों के प्रभुत्व एवं नियंत्रण से मुक्त समूह होता है तथा अपने साथियों के साथ युवा स्वतन्त्रता का आनन्द उठाते है। युवावस्था एक अस्थायी एवं लघु अवधि है, जिसमें युवा अपनी विशिष्ट जीवन शैली रखते है। युवा दबापूपर्ण सामाजिक नियंत्रण से स्वयं को युक्त करना चाहते है।

युवा लोग एक अलग व्यक्तित्व की पहचान की चाहत रखते है जो कि परिवार, स्कूल तथा कार्य स्थल के दबावों से स्तन्त्र हो। एक बार वे अपनी पहचान प्राप्त करने के पश्चात् वे अपने स्वयं के विकास एवं स्वयं की खोज में व्यस्त हो जाते है। कई बार तो वे ऐसी छवि बनाते है जो कि अर्द्ध आपराधिक एवं विद्रोही शैली की प्रतीत होती है जो कि उनके अभिभावकों तथा परिवारों से उन्हें अलग कर देती है वे अपने बड़ों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्य नहीं करते।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol.10 Issue 08, August 2020,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

इस प्रकार परिवार द्वारा आरोपित पहचान से छुटकारा पाकर युवा अपनी अलग पहचान बनाना चाहते है। इस प्रकार युवाओं की सामाजिक–मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं एवं दृष्टिकोणों को समझने के लिए युवा संस्कृति की समझ अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

भारत सहित अन्य विकासशील देशों की आधी से अधिक जनसंख्या युवा है। ऐसी स्थिति में युवा–संस्कृति की जानकारी एवं समझ समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से अत्यन्त महत्पूर्ण है। युवा संस्कृति देश/स्थान एवं समय/काल के अनुसार प्रत्येक समाज में अलग प्रकार की हो सकती है, लेकिन इसके आधारभूत लक्षण एक जैसे है। आज वैश्वीकरण के दौर में युवा जन संचार माध्यमों, मेकडोनल्ड–संस्कृति, हिप्पी संस्कृति, रॉक म्यूजिक, बिटल्स जैसे संगीत समूह एवं फैशन से काफी प्रभावित है।